बसंत पंचमी से पहले सोना-चांदी धड़ाम

15,000 रुपए सस्ती हुई चांदी

2,499 रुपए नीचे आया सोना

नई दिल्ली, 22 जनवरी. बसंत पंचमी और शादी-विवाह के सीजन से ठीक पहले सर्राफा बाजार से बड़ी राहत भरी खबर आई है. 22 जनवरी 2026, गुरुवार को सोना और चांदी के दामों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है.

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा रेट के मुताबिक, सोना हर कैरेट में सस्ता हुआ है, जबकि चांदी की कीमत में तो 15,500 रुपये से ज्यादा की भारी टूट देखने को मिली है. यह गिरावट ऐसे समय पर आई है जब लोग त्योहार और शादियों के लिए ज्वेलरी खरीदने की तैयारी कर रहे हैं. 24 कैरेट से लेकर 14 कैरेट तक सोने के भाव में 1,500 से 2,700 रुपये तक की कमी आई है. खासतौर पर 22 कैरेट सोना, जो ज्वेलरी बनाने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है, वह एक ही दिन में 2,499 रुपये सस्ता हो गया है. वहीं, चांदी की कीमत में आई बड़ी गिरावट ने निवेशकों और आम खरीदारों दोनों को चौंका दिया है.

सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी, डॉलर इंडेक्स की मजबूती और वैश्विक आर्थिक संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है.

आम खरीदारों के लिए बड़ी राहत

सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाला 22 कैरेट (916) सोना 2,499 रुपये सस्ता होकर 1,38,773 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है. इसके अलावा 18 कैरेट (750) सोना 2,046 रुपये घटकर 1,13,624 रुपये और 14 कैरेट (585) सोना 1,596 रुपये सस्ता होकर 88,627 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है. यानी हर शुद्धता में सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई है, जो आम खरीदारों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है. सबसे चौंकाने वाली गिरावट चांदी में देखने को मिली है. चांदी (999 शुद्धता) की कीमत प्रति किलो में 15,500 रुपये से ज्यादा टूट गई है. हालांकि, इसके बावजूद चांदी का भाव अभी भी 3 लाख रुपये प्रति किलो के पार बना हुआ है, जो इसकी ऊंची मांग और निवेशकों की दिलचस्पी को दर्शाता है.

रुपया 68 पैसे टूटकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई, 22 जनवरी, अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 68 पैसे टूटकर ऐतिहासिक निचले स्तर 91.65 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. भारतीय मुद्रा आठ पैसे नीचे 91.05 रुपये प्रति डॉलर पर खुली और इसके बाद लगातार कमजोर होती गयी. बीच कारोबार में यह पहली बार 91.7475 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गयी थी. कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 91.65 रुपये का बोला गया. रुपया लगातार छठे दिन कमजोर हुआ है. मंगलवार को यह सात पैसे टूटकर 90.97 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. छह दिन में रुपया 147.50 पैसे टूटा है. कच्चे तेल और सोने में जारी तेजी से रुपये पर दबाव रहा. हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में रही नरमी से रुपये को थोड़ा समर्थन मिला.

एआई की ताकत में भारत दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली, 22 जनवरी. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रभावी उपयोग को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल की ताकत बताते हुए कहा है कि भारत एप्लिकेशन स्तर पर सेवाएं प्रदान करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश बनेगा.

श्री वैष्णव ने मंगलवार को दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में एआई पावर प्ले, नो रेफरीज शीर्षक पर आयोजित परिचर्चा के दौरान वैश्विक एआई गठबंधनों और भू-राजनीति से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि एआई के मामले में भारत स्पष्ट रूप से विकसित देशों के अग्रणी समूह में शामिल है. उन्होंने कहा कि एआई में निवेश पर लाभ केवल बहुत बड़े मॉडल बनाने से नहीं, बल्कि उद्यम-स्तर पर उसके उपयोग और उत्पादकता में वृद्धि से मिलता है.

उन्होंने कहा कि लगभग 95 प्रतिशत एआई उपयोग मामलों को 20-50 बिलियन पैरामीटर रेंज के मॉडलों से हल किया जा सकता है, जिनमें से कई मॉडल भारत के पास पहले से ही मौजूद हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किये जा रहे हैं.

उन्होंने बताया कि एआई ढांचे में पांच स्तर होते हैं एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, अवसंरचना और ऊर्जा. भारत इन सभी क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम कर रहा है और एप्लिकेशन के स्तर पर संभवत: विश्व को सेवाएं प्रदान करने वाला सबसे बड़ा देश होगा.

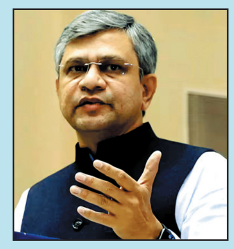

श्री वैष्णव ने भू-राजनीति में एआई की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा, जिसे मैं पांचवीं औद्योगिक क्रांति कहता हूं, उससे आर्थिक लाभ अधिकतम संभव रिटर्न पाने के लिए निम्नतम लागत समाधान लागू करने से आयेगी. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई के प्रभावी इस्तेमाल से तेजी से सीपीयू, छोटे मॉडल और उभरते कस्टम सिलिकॉन पर निर्भर करने लगी है, जिससे किसी एक देश पर निर्भरता कम होती है और केवल आकार के आधार पर एआई के प्रभुत्व की धारणा को चुनौती मिलती है. मंत्री ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार जीवन और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में एआई के प्रसार को प्रणालीगत तरीके से आगे बढ़ा रही है.

किफायती आवास के लिए कर छूट जरूरी

नई दिल्ली, 22 जनवरी. राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नरेडको) ने सभी को आवास मुहैया कराने के सपने को साकार करने के लिए सरकार से करों में छूट देने, आयकर की कुछ धाराओं में सुधार तथा किराये पर आवास के लिए नीति निर्माण का अनुरोध किया है.

नरेडको के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने यहां गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों लोगों को घर मिला है, लेकिन सबके लिए अपना घर का लक्ष्य अब भी काफी दूर है. जमीन की ऊंची कीमतों के कारण बिल्डरों के लिए किफायती आवास बनाना अब संभव नहीं है, इसलिए सरकार को नियमों में बदलाव, कर प्रोत्साहन और किराये पर आवास के विकल्प पर विचार करना चाहिये. उन्होंने कहा कि पिछले साल के बजट में उद्योगों को अपने कामगारों के लिए किराये के आवास बनाने की छूट दी गयी है. इसे रियल एस्टेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया जाना चाहिए. जैसे पहले चैरिटेबल ट्रस्ट चॉल बनाते थे, उसी प्रकार उन्हें किराये के लिए आवास और किफायती आवास भी बनाने चाहिये. किराये के लिए आवास का मतलब है कि बिल्डर मकान बनाकर उसे बेचने की बजाय किराये पर लगा सकेंगे ताकि उन लोगों को भी घर मिल सके जो घर खरीदने में असमर्थ हैं. श्री हीरानंदानी ने कहा कि आयकर के नियमों के तहत मकान यदि खाली हो तब भी उसके सांकेतिक किराये पर कर लगता है. आयकर कानून की धारा 43 सीए में सर्किल रेट से 10 प्रतिशत तक कम कीमत पर ही बिक्री की अनुमति है.

विश्वनाथ न्यास ने लॉन्च किया एआई चैटबॉट

वाराणसी, 22 जनवरी. विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने एक आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया है.

इस तकनीक के माध्यम से बाबा के भक्त अब दुनिया के किसी भी कोने से मंदिर से जुड़ी जानकारी और सेवाएं अपनी उंगलियों पर प्राप्त कर सकेंगे. यह चैटबॉट मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जो कई सेवाएं प्रदान करेगा. सुगम दर्शन और आरती बुकिंग के लिए श्रद्धालु अब सीधे चैटबॉट के माध्यम से सुगम दर्शन, मंगला आरती और अन्य विशेष आरतियों की बुकिंग प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. घर बैठे बाबा का प्रसाद मंगवाने के लिए यह चैटबॉट त्वरित मार्गदर्शन प्रदान करेगा.

मंदिर का समय और मार्ग- मंदिर खुलने, बंद होने और विभिन्न अनुष्ठानों के समय की सटीक जानकारी 24/7 उपलब्ध होगी. वाराणसी आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए न्यास के अतिथिगृहों की उपलब्धता और बुकिंग में सहायता मिलेगी.

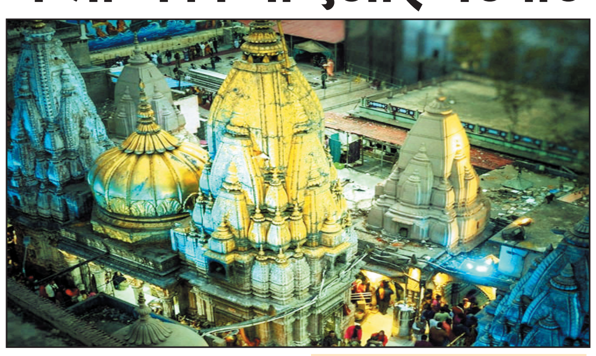

देश-विदेश से आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए यह चैटबॉट हिंदी, अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है. इस उपलब्धि पर मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने कहा, काशी अब पुरातन परंपराओं के साथ आधुनिक तकनीक का संगम बन रही है. इस चैटबॉट का उद्देश्य भक्तों और मंदिर प्रशासन के बीच की दूरी को कम करना है.

गुजरात में रेलवे अवसंरचना का हुआ तीव्र विकास

- मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 22 जनवरी. गुजरात में रेलवे अवसंरचना के विकास कार्य अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहे हैं. वर्ष 2014 से पूर्व जहां वार्षिक पूंजीगत व्यय लगभग 539 करोड़ था, वहीं वर्तमान में यह बढ़कर 17,155 करोड़ तक पहुंच गया है, जो लगभग 29 गुना वृद्धि को दर्शाता है.

वर्तमान में राज्य में चल रही बुलेट ट्रेन, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) तथा अन्य प्रमुख रेलवे परियोजनाओं सहित कुल निवेश लगभग 1 लाख 28 हजार करोड़ का है. मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने प्रेस वार्ता के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि राज्य में 38 ट्रैक निर्माण/मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो 2,987 किलोमीटर में फैली हुई हैं और जिनकी कुल लागत 41,686 करोड़ है.

स्वीकृत प्रमुख परियोजनाएं

- पश्चिम रेलवे के गुजरात राज्य के कच्छ जिले में दो महत्वपूर्ण नई रेल लाइन देशलपर-हाजीपीर-लूना (81.771 किमी) एवं वायोर-लखपत (62.686 किमी) नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्री मण्डल ने स्वीकृति प्रदान की है और भुज-नलिया रेल लाइन का वायोर तक विस्तार एवं नलिया-जखाऊ पोर्ट नई रेल लाइन लगभग 194 किमी रुपये 3375 करोड़ की लागत से बनाई जाएंगी. सीमावर्ती एवं तटीय क्षेत्रों में रेल संपर्क को सुदृढ़ करने, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने तथा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसंरचना को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगी.
- नलिया-जखाऊ पोर्ट (24.88 किमी) नई ब्रॉडगेज रेल लाइन, यह रेल लाइन भुज-नलिया खंड के नलिया स्टेशन से प्रारंभ होकर जखाऊ बंदरगाह तक जाएगी.

पेज 1 का शेष

पूजा और नमाज एक साथ : सुको

इसके बाद मुस्लिम समुदाय के सदस्य परिसर खाली कर देंगे. अपर महाधिवक्ता (एएसजी) के एम नटराज और मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता (एसजी) ने अदालत को आश्वासन दिया कि कानून-व्यवस्था बनायी रखी जाएगी. जब जैन ने सुझाव दिया कि बिना बाधा के पूजा जारी रखने के लिए नमाज 5 बजे के बाद हो तो खुर्शीद ने कहा कि जुमे की नमाज का खास वक्त होता है, इसलिए 5 बजे के बाद ऐसा करने में कठिनाई आयेगी और इसे पुनर्निर्धारित नहीं किया जा सकता. समझौते को रिकॉर्ड करते हुए पीठ ने निर्देश दिया कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच उसी परिसर के भीतर नमाज के लिए एक विशेष और अलग क्षेत्र उपलब्ध कराया जाए, जिसमें अलग प्रवेश और निकास हो. हिंदू समुदाय के लिए भी वसंत पंचमी की रस्में अदा करने के लिए अलग स्थान चिह्नित करने का निर्देश दिया. न्यायालय ने आगे निर्देश दिया कि प्रशासन उचित उपाय करे. इसमें पास जारी करना भी शामिल है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो. पीठ ने दोनों समुदायों से अपील की कि वे आपसी सम्मान रखें और शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए राज्य और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करें.

घरों पर सोलर पैनल न लगाने पर शिक्षकों का रुकेगा वेतन : बीएसए

लखनऊ 22 जनवरी. प्रधानमंत्री सूर्यघर/सौर योजना के तहत जिलों में शिक्षकों के घरों पर सोलर पैनल लगाए जाने को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है.

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मऊ ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों से व्यक्तिगत संपर्क कर सोलर लगाए जाने की शत-प्रतिशत सूचना/प्रमाणपत्र तत्काल उपलब्ध कराएं. वहीं पैनल न लगवाने वाले शिक्षकों का वेतन रोक दिया जाएगा.

शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी

800 अंक से ज्यादा चढ़ा सेंसेक्स

186 अंक पर आगे रहा निफ्टी

मुंबई, 22 जनवरी. ग्रीनलैंड पर अमेरिका के रुख में नरमी से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में जबरदस्त तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा उछला.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूरोप पर आयात शुल्क लगाने का फैसला पलटने और ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग से इनकार के बाद भारतीय शेयर बाजारों में निवेश धारणा मजबूत हुई है. रुपये में तेजी लौटने से भी बाजार को समर्थन मिला.

भारतीय मुद्रा फिलहाल 10 पैसे की बढ़त में 91.55 रुपये प्रति डॉलर पर है. बुधवार को यह 91.65 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था.

सेंसेक्स 550.03 अंक की मजबूती के साथ 82,459.66 अंक पर खुला. कुछ ही देर में यह 874 अंक ऊपर 82,783 अंक पर पहुंच गया.पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 787.58 अंक (0.96 प्रतिशत) चढ़कर 82,697.21 अंक पर था.

बजट पूर्व सर्वे में कंपनी जगत का अर्थव्यवस्था पर मजबूत भरोसा

नई दिल्ली, 22 जनवरी. उद्योग मंडल फिक्की ने आगामी वित्त वर्ष के बजट से पहले रिपोर्ट में कहा है कि देश की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को लेकर भारत का कंपनी जगत आशावादी है और 2026-27 के वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि 7-8 प्रतिशत के बीच रह सकती है. फिक्की ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बजट में प्रत्यक्ष कर अनुपालन में सरलीकरण, डिजिटलीकरण, कर निश्चितता, विवाद निपटान एवं मुकदमेबाजी प्रबंधन और कॉरपोरेट पुनर्गठन एवं निवेशकों की सुविधा के उपाय किये जा सकते हैं.

वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं के बीच बजट में निर्यात को मजबूत समर्थन की आवश्यकता, अवसंरचना, डिजिटल विनिर्माण और रक्षा उद्योग पर विशेष जोर देने की जरूरत को रेखांकित किया गया है. फिक्की के अनुसार सर्वेक्षण में विस्तृत रूप से आशावाद झलकता है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भारत की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताया है.

समाचार विशेष

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा सियासी उलटफेर

मुंबई. महाराष्ट्र के कल्याण-डोंबिवली नगर निगम पर हुए (केडीएमसी) चुनाव के बाद राजनीति में बड़ा मोड़ देखने को मिला है. आमतौर पर एक-दूसरे की विरोधी मानी जाने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने

एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सपोर्ट करेगी मनसे

अब शिंदे गुट की शिवसेना को समर्थन देने का एलान किया है.

यह घोषणा एमएनएस के पूर्व विधायक प्रमोद (राजू) पाटिल ने पार्टी के पांच पार्षदों की ओर से की. इससे पहले शिवसेना के सभी 53 पार्षद नवी मुंबई स्थित कोंकण संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुंचे और अपने गुट का औपचारिक पंजीकरण कराया.उसी स्थान पर एमएनएस के पांचों पार्षदों ने भी अपनी प्रक्रिया पूरी की और शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा कर दी. इसे नगर निगम की सत्ता संरचना के लिहाज से अहम घटनाक्रम माना जा रहा है.

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शिवसेना या तो अपने दम पर नगर निगम में सरकार बनाने की कोशिश कर रही है या फिर गठबंधन में अपनी मोलभाव की स्थिति मजबूत कर रही है.

क्या कहते हैं चुनाव के नतीजे? - बात अगर 122 सदस्यीय कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में हुए चुनाव की करें तो, 16 जनवरी को आए नतीजों में शिंदे गुट की शिवसेना को 53, भाजपा को 50, शिवसेना (यूबीटी) को 11 मनसे पांच, कांग्रेस दो और एनसीपी (एसपी) को एक सीटें मिली.

बता दें कि इस नगर निगम में सत्ता बनाने के लिए 62 सीटों की जरूरत होती है. फिलहाल शिवसेना के 53 पार्षदों के साथ एमएनएस के 5 पार्षदों का समर्थन मिलने से संख्या 58 हो गई है.

मेयर किसका होगा?

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम पर हुए चुनाव के बाद मेयर पद को लेकर अटकलें तेज हो गई है. कारण है कि अभी भी मेयर कौन होगा? किसका होगा? ये तस्वीर अभी भी धुंधली है. मेयर पद को लेकर तस्वीर अभी साफ नहीं है. भाजपा की ओर से ढाई-ढाई साल का कार्यकाल मांगने की चर्चा है. श्रीकांत शिंदे ने कहा कि मेयर महायुति से ही होगा और इस पर अंतिम फैसला उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण मिलकर लेंगे.

2024 की तर्ज पर 2027 फतह करेगी सपा?

अखिलेश यादव ने बिछाई सियासी बिसात

लखनऊ. मुल्क के सबसे बड़े सियासी सूबे उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावी रण में अभी एक साल से भी ज्यादा का वक्त बाकी है, लेकिन सियासी शतरंज पर शह और मात की बिसात अभी से बिछाई जाने लगी है.

एक तरफ बीजेपी यूपी में सत्ता की हैट्रिक लगाने की फिराक में है, तो दूसरी तरफ सपा अपने 10 साल के सियासी वनवास को खत्म करने की कवायद में जुट गई है. जिसका आगाज अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ से कर दिया है. उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के लिए 2027 के चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन गए हैं. 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने के बाद सपा का मनोबल सातवें आसमान पर है और वह 2027 में भी 2024 जैसा ही प्रदर्शन दोहराना चाहती है. यही वजह है कि अखिलेश यादव ने अपने खास साथियों के साथ राजनैतिक रणनीति बनानी शुरू कर दी है. अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में अपने सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों की बैठक बुलाई. बैठक के दौरान अखिलेश यादव ने अपने सांसदों से जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की, बल्कि उन्हें मिशन 2027 के लिए सियासी टास्क भी सौंपा है. समाजवादी पार्टी ने लखनऊ में अपने सभी 37 लोकसभा सांसदों और 4 मौजूदा राज्यसभा सांसदों की बैठक बुलाई. इस बैठक में अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए भविष्य की रणनीतियों पर सांसदों के साथ चर्चा और सलाह-मशविरा किया.

दांव चलने की बारी अब तेजस्वी की

पटना. तेज प्रताप यादव के बाद अब दांव चलने की बारी तेजस्वी यादव की है. वे पार्टी पर पूरा नियंत्रण हासिल करने के लिए अपने को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाना चाह रहे हैं.

उन्होंने यह समझाया है कि अगर पार्टी की कमान पूरी तरह से उनके हाथ में आएगी तभी राजद के बारे में बिहार के लोगों की धारणा बदलेगी और पुराने जिन्न से पीछा छूटेगा. बहरहाल, पिछले दिनों तेज प्रताप यादव ने मकर संक्रांति के मौके पर दही चूड़ा का भोज दिया, जिसमें लालू प्रसाद शामिल होने पहुंच गए. इतना ही नहीं लालू प्रसाद ने तेज प्रताप का निर्वासन समाप्त करते हुए कहा कि वे अब परिवार के साथ रह सकते हैं. ध्यान रहे विधानसभा चुनाव से ऐन पहले लालू प्रसाद ने तेज प्रताप को परिवार और पार्टी से निकाल दिया था. अब उनकी वापसी हो रही है. दूसरी ओर परिवार में नए तरह का ध्रुवीकरण हो रहा है. रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी के करीबी नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोला है. अगर तेज प्रताप, रोहिणी और मीसा भारती एक होते हैं तो तेजस्वी की स्थिति कमजोर होगी.

तभी कहा जा रहा है कि तेजस्वी ने पार्टी पर कंट्रोल बढ़ाने का दांव चला है. जानकार सूत्रों का कहना है कि अगले रविवार को यानी 25 जनवरी को तेजस्वी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बन जाएंगे. उन्होंने इसके लिए पहल कर दी है. अगर ऐसा होता है तो मीसा भारती के साथ टकराव का मोर्चा खुल सकता है. वे दो बार राज्यसभा सांसद रही हैं और अभी लोकसभा में सांसद हैं. उन्होंने कुछ समय पहले लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के सामने यह इच्छा जताई थी कि उनको कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाए.

विशेष | मेयर चुनाव में भाजपा से है कांटे की टक्कर

चंडीगढ़ में कांग्रेस ने केजरीवाल से मिलाया हाथ

चंडीगढ. चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं. 29 जनवरी को मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के लिए मतदान होगा. बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रही हैं. इसी बीच कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने गठबंधन करने का फैसला किया है. दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमति जता दी है.

बताया जा रहा है कि कांग्रेस और क के बीच पिछले कई दिनों से गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी, हालांकि दोनों पक्षों के कुछ नेता इस साझेदारी को लेकर असहज थे. बाद में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी की मध्यस्थता से दोनों दलों में सहमति बन गई.

इसके बाद यह साफ हो गया कि इस बार भी विपक्ष साझा रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतरेगा. मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस और आप ने गठबंधन का औपचारिक ऐलान किया. कांग्रेस अध्यक्ष लक्की ने कहा कि चुनावी फार्मूला तय हो चुका है और आप नेताओं के साथ सभी चर्चाएं पूरी हो गई हैं. उन्होंने बताया कि चुनाव लड़ने को लेकर पदों के बंटवारे पर भी सहमति बन गई है.

दोनों में कांटे की टक्कर

चंडीगढ़ नगर निगम में कुल 35 पार्षद हैं और मेयर पद जीतने के लिए 19 वोटों की जरूरत होती है. बीजेपी के पास सबसे ज्यादा 18 पार्षद हैं. वही आप के पास 11 और कांग्रेस के पास 7 वोट हैं, जिनमें एक वोट सांसद मनीष तिवारी का होगा. इस तरह आप और कांग्रेस के कुल वोट 18 बनते हैं. 35 सदस्यीय निगम में बहुमत के लिए 19 वोट जरूरी होने के कारण बीजेपी और कांग्रेस-आप गठबंधन दोनों को ही एक अतिरिक्त वोट की दरकार है. इस बार का चुनावी मुकाबला बेहद कांटे का माना जा रहा है.

गठबंधन समझौते के तहत मेयर पद पर आम आदमी पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगी, जबकि सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर की दोनों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे. दोनों दल एक-दूसरे के उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे.